

स्थापित 11.12.1991

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

निवास :

225

१.॥



मनोकामना दिव्य नमः  
श्री० कृष्ण कांत पाण्डेय  
एम० ए०

कर्दमेश्वरराय नमः

टी० चन्द्रशेखर भवन,  
मनोकामना मंदिर, वैकुण्ठ घाट,  
उपरडीह, चौदवीरा (गया)  
Mob.: 9835082645,  
9472386079, 9801326260

श्रीये नमः

आचार्य रवि रंजन भास्कर  
गणित एवं फलित ज्योतिष

श्रीमती अनामिका नंदन पद्माकर  
महिला भविष्यवक्ता

हस्तरेखाविद्, ज्योतिष भविष्यद्रष्टा, नक्षत्रवेत्ता, अंकविज्ञानी एवं वास्तु शास्त्र विशेषज्ञ  
सदस्य : महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय, हॉलैण्ड।

Y-36

## भास्कर ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र

प्रधान कार्यालय

[www.astriogerbhaskarjyotish.com](http://www.astriogerbhaskarjyotish.com)

शाखा कार्यालय

चौदवीरा, गया (बिहार)

गनी मार्केट, पॉंचू टेलर्स के

समय : 8 A.M. To 11 A.M.

बगल में, गया

4 P.M. To 8 P.M.

समय : 12 P.M. To 3 P.M.

पत्रांक... 14/98.....

दिनांक... 11-09-2017

ॐ

- 1) वर्गाकार हाथ वायु तत्व की प्रधानता वाली अँगुली।
- 2) संकल्पवण्ड से युक्त दृढ़ इच्छाशक्ति वाला अँगुठा जातक जो तय करेंगे उसे पूरा करने का प्रयास करेंगे।
- 3) जैप सहित हाथ आर्थिक पक्ष में उतार-चढ़ाव का दौर चलेगा।
- 4) पत्नी भाग्यश्रद्धि में सहायक, उनकी बातों को तवज्जो दें, आंतरिक खटपट से बचें।
- 5) जौखिमपूर्ण कार्यों को करने से तत्काल बचें।
- 6) पैसों की लेन-देन पर सावधानी बरतें, पैसों खूबने का खतरा है।
- 7) वाहनादि क्रय का योग, परन्तु वाहन पर संभलकर चले, चोट-चपेट दुर्घटना का योग।
- 8) व्यापारिक क्षेत्रों में सफलता, प्रयास नये से और जुड़ने का कौर, बेहतर योग तथा बदलाव भी होगा। विवहृत कर सकते हैं।
- 9) तकनीकी विषयक कार्यों का चुनाव करें।



- 10.) दो तरह के आय के मार्ग बनेंगें।
- 11.) मातृकुल गुड़ाव तथा लाग तथा विकल्प का दौर।
- 12.) प्रबंकीय कार्यों की ओर रुकान तथा लाभ का योग।
- 13.) गले की परेशानी उन्हेगी विशेष ख्याल रखें।
- 14.) खानपान पर सावधानी बरतें। तरल पदार्थ मादक पदार्थों से खासकर।
- 15.) परिवार की बातों को लेकर न्यले, पीरिजने में जनाव उत्पन्न होने का योग।
- 16.) जोड़े में दर्द की अनुभूति होगी।
- 17.) पुलिसीय विवाद उत्पन्न होने का योग।
- 18.) परामर्श

(A) ब्रह्म शुक्लम् का पाठ 40 दिन किसी योग्य विद्वान से करायें।

(B) पुरवराज तर्जनी अँगुली में धारण करें (16° Power) का चॉदी में।

(C) पितृ तर्पण जरूर करें। (19 सितम्बर तक)

(D) 40 दिन धी का दीपक जलायें।

(E) गुल्फार का व्रत करें।

  
11/9/17